# प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय,

ई–5 अरेरा कॉलोनी, भोपाल

## :: प्रेस विज्ञप्ति ::

भोपाल 18.03.2018। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय एक आध्यात्मिक संस्थान है, जो समाज के सभी वर्ग हेतु नैतिक व आध्यात्मिक शिक्षा निःशुल्क प्रदान कर रही है। इसी तारतम्य प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की भगिनी संस्था राजयोगा एजुकेशन एण्ड रिसर्च फाउण्डेशन के अंतर्गत कार्यरत प्रशासक प्रभाग, प्रशासकों प्रबंधकों एवं कार्यकारी अधिकारियों हेतु राष्ट्रीय प्रशासक सम्मेलन का आयोजन स्थानीय सेवाकेन्द्र ई–5 अरेरा कॉलोनी, राजयोग भवन में किया गया, जिसका विषय था **सुप्रशासन हेतु राजयोग**।

इस कार्यशाला में मुख्य अतिथि श्री अवधेश प्रताप सिंह, प्रमुख सचिव, मध्य प्रदेश विधानसभा, विशिष्ट अतिथि अजातशत्रु श्रीवास्तव, आयुक्त, भोपाल संभाग, श्री सुदाम पण्डरी नाथ खाड़े, जिलाधीश भोपाल, श्री व्ही.के. शर्मा, कार्यकारी निदेशक (वित्त), ब्रह्माकुमारी अवधेश दीदी राष्ट्रीय संयोजिका प्रशासक प्रभाग, ब्रह्माकुमारी संस्थान के मुख्यालय माउण्ट आबू से, भ्राता बी. के. हरीश भाई आदि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरूआत विधिवत् रूप से दीप प्रज्जवलन द्वारा हुई, तत्पश्चात स्वागत भाषण **स्वागत एवं सम्मेलन के विषय के संदर्भ में ब्रह्माकुमारी नीता,** क्षेत्रीय संयोजिका, व्यापार एवं उद्योग प्रभाग, म.प्र. ने संबोधित किया।

सम्मेलन के विशिष्ट अतिथि **अजातशत्रु श्रीवास्तव**, आयुक्त, भोपाल संभाग ने अपने वक्तव्य में कहा कि सुप्रशासन हेतु राजयोग का जीवन में बहुत बड़ा योगदान है, जब तक हम स्वयं पर प्रशासन करना नहीं सीख जाते या अपने ऊपर नियंत्रण नहीं कर सकते तब तक हम, अपने घर में समाज में और अपने में सुप्रशासन नहीं कर सकते। सम्मेलन में **ब्रह्माकुमारी किरण,** क्षेत्रीय संयोजिका, मूल्य शिक्षा एवं आध्यात्मिकता, शिक्षा प्रभाग, म.प्र. ने कहा कि हम अपने मन में जैसी मूल्य (Value Create) कर लेते है। वैसा ही हमारे जीवन में (Value Generate) होती है।

अपने आध्यात्मिक अनुभव शेयर करते हुये, **भगिनी शलिनी सिन्हा,** निर्देशक, प्रबंधन विभाग, (T.I.T. College) भोपाल ने बताया कि मैंने अपने जीवन में सुप्रशासन करना, मैंने राजयोग के अभ्यास द्वारा सीखा, जिसका परिणाम मुझे अपने ऑफिस में सुप्रशासन लागू करने पर मिला, अब हर कार्य करने में नया उमंग, उत्साह और ऊर्जा के साथ, उस कार्य को पूर्ण करती हूँ।

**प्रशासक सम्मेलन के मुख्य अतिथि भ्राता अवधेश प्रताप सिंह,** प्रमुख सचिव, म.प्र. विधानसभा ने कहा कि एक प्रशासक के जीवन में बहुत चुनौतियॉ रहती है, यदि एक सोचे की जो कर रहा हूँ वह मेरा पार्ट है, तो वह अच्छे से प्रशासन चला लेता है, और यदि वह पार्ट समझकर नहीं चलता है तो उसे बहुत सारी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। प्रशासन के लिये मूल्य होना आवश्यक है।

ब्रह्माकुमारीज़ के मुख्यालय से पधारे मुख्यालय संयोजक, प्रशासक प्रभाग, मा. आबू **ब्रह्माकुमार हरीश भाई,** ने कहा कि सुप्रशासन हेतु आधार क्या है,? हर व्यक्ति आज जीवन में मूल्यवान बनना चाहता हैं, लेकिन आधार यह है कि लोगों की इच्छाशक्ति कमजोर है, जिसके कारण मूल्यों का पतन हुआ।

**राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी अवधेश,** राष्ट्रीय संयोजिका, प्रशासक प्रभाग एवं क्षेत्रीय निदेशिका, ने उपस्थित श्रोताओं को 3 प्रतिज्ञा दिलवाये, कि आज से हम क्रोध नहीं करेगे, व्यसन मुक्त रहेगे, आलस्यमुक्त रहेगे।

**भ्राता सुदाम पण्डरी नाथ खाड़े**, जिलाधीश, भोपाल ने ब्रह्माकुमारीज के द्वारा किये जा रहे सेवा कार्यो की प्रशंसा की। साथ ही साथ डॉ. श्रीमंत साहू, भ्राता बी.के. शर्मा, कार्यकारी निर्देशक (वित्त) ने भी अपने वक्तव्य दिये।

**कार्यक्रम का मंच संचालन बीके सुनीता, होशांगाबाद ने किया एवं आभार प्रदर्शन बी.के. ज्योति, ग्वालियर ने किया ।**

धन्यवाद!

श्रीमान् संपादक महोदय,
दैनिक.....
भोपाल, मध्य प्रदेश

ईश्वरीय सेवा में,

बी. के. दीपेन्द्र

मोबा. 9425110773, 9131513524